राष्ट्रीय-संगोष्ठी

दिनांक- 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव

Impact of Social Media on National Security

पंजीकरण–प्रपत्र

नाम व पदनाम.....

विभाग एवं संस्था का नाम.....

.....

पत्राचार का पता.....

.....

मो. नं. .....ई–मेल.....

.....

शोध-पत्र का शीर्षक .....

.....

ट्रांजेक्शन आई.डी. (If UPI Payment) .....

दिनांक .....हस्ताक्षर .....

शोध-पत्र प्रेषित करने की अन्तिम तिथि – 25 जुलाई, 2024

ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन लिंक – ➔

https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSdqXOg-howJMBYmMs3D4X_lggWMlq8Jcs0fq_S-E1b2Nnp_qQ/viewform?usp=sf_link

RTGS/NEFT/UPI से भी ऑनलाइन भुगतान किया जा सकता है।

Payment UPI Link ➔
9792987700m@pnb

Bank Details
Digvijai Nath P.G. College
Bank : PNB
A/c No. : 0184020100003856
IFSC : PUNB0475600

पंजीकरण शुल्क

शिक्षक : रु.700/– शोधार्थी : रु.400/– विद्यार्थी : रु.200/–

सम्पर्क सूत्र : डॉ. राम प्रसाद यादव - 9453249496
डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह - 8948742899
श्री विकास कुमार पाठक - 9956109584
Email-dnpgdefence1974@gmail.com

मुख्य संरक्षक
परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
माननीय मुख्यमंत्री, उ.प्र.शासन
गोरक्षपीठाधीश्वर गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर

संरक्षक
प्रो. उदय प्रताप सिंह
अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर, उ.प्र.

प्रो. पूनम टण्डन
कुलपति, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

अध्यक्ष
प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

संयोजक/सचिव
डॉ. राम प्रसाद यादव
अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

सह-संयोजक
डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह
सहायक आचार्य, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

परामर्शदात्री-समिति
प्रो. विनोद कुमार सिंह
अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग,
दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
प्रो. हरिशरण
पूर्व प्रति कुलपति, दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
प्रो. राजनारायण सिंह
पूर्व अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग,
दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
प्रो. हर्ष कुमार सिन्हा
पूर्व अध्यक्ष, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग,
दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
डॉ. के.के. यादव
पूर्व प्राचार्य, बापू पी.जी.कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर, उ.प्र.
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
पूर्व प्राचार्य, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
डॉ. श्री भगवान सिंह
प्राचार्य, गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवेद्यनाथ महाविद्यालय,चौक बाजार,महराजगंज उ.प्र.
प्रो. परीक्षित सिंह
समन्वयक, IQAC
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.
डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह
सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उ.प्र.

राष्ट्रीय-संगोष्ठी

प्रायोजक

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, (ICSSR)
नई दिल्ली

आयोजक

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गोरखपुर (उ.प्र.)
(नैक प्रत्यायित 'B^{++}' श्रेणी)
(सम्बद्ध : दी.द.उ.गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)

दिनांक- 07 एवं 08 सितम्बर, 2024

विषय – राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव
(Impact of Social Media on National Security)

आमंत्रण-पत्र

सेवा में,

.....

.....

.....

निवेदक :

डॉ. राम प्रसाद यादव
संयोजक
रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग,
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गोरखपुर (उ.प्र.), 273001
Email-dnpgdefence1974@gmail.com

प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य
दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
गोरखपुर (उ.प्र.), 273001
Website- www.dnpgcollege.edu.in/

संगोष्ठी-विषय :

'राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव'

(Impact of Social media on National Security)

बदलते वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा आज व्यापक अर्थ धारण कर रही है। पारंपरिक एवं अपारंपरिक खतरे के नए रूप अवतरित हो रहे हैं। किसी राष्ट्र के लिए स्वतंत्रता, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता जैसे केंद्रीय मूल्यों को सुरक्षित रख पाना अब चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है। संचार क्रांति के इस युग में सोशल मीडिया एक लोकप्रिय एवं शक्तिशाली उपकरण बनकर उभरा है। सोशल मीडिया राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए चुनौतियां और अवसर दोनों प्रदान करती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा संस्थाओं के लिए सोशल मीडिया का प्रयोग अपने संस्थागत और कार्य सम्बन्धी सुधार के लिए एक अवसर सिद्ध हो सकता है । इससे जरूरतमंद लोगों को सूचनाएं आसानी से पहुंचाई जा सकती हैं। इससे संवेदनशील सूचनाओं को रोकने अथवा उन्हें समाप्त करने का महत्त्वपूर्ण कार्य करके राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान किया जा सकता है। इसने दुनिया के लोगों को जोड़ने के लिए संचार को एक नया आयाम दिया है, लेकिन इसके उपयोग के नकारात्मक प्रयास से राष्ट्र की आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ है। विभिन्न बाहरी राज्य एवं राज्येत्तर अभिकर्ताओं ने इसके दुरुपयोग से साइबर आतंकवाद, धोखाधड़ी, संगठित अपराध, युवाओं में कट्टरवाद, मनीलांड्रिंग, हैकिंग, विभिन्न समुदायों में ध्रुवीकरण, हिंसा आदि विभिन्न गतिविधियों को प्रोत्साहित कर राष्ट्रीय सुरक्षा को चुनौती दी है। जिससे राष्ट्रीय एकता और अखण्डता प्रभावित हो रही है।

भारत में इंटरनेट और सोशल मीडिया की पहुंच तेजी से बढ़ रही है। लेकिन सुरक्षित साइबरस्पेस के साथ-साथ डिजिटल साक्षरता की कमी ने न केवल व्यक्तिगत गोपनीयता बल्कि देश की आन्तरिक सुरक्षा को भी खतरे में डाल दिया है। भारत अपनी भौगोलिक स्थिति एवं सांस्कृतिक विविधता के कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। आज राष्ट्र की आन्तरिक सुरक्षा के लिये सबसे बड़ी चुनौती सोशल नेटवर्किंग साइटों के माध्यम से साइबर आतंकवाद है। सोशल नेटवर्किंग साइटें वित्तीय और संगठित अपराध के रूप में बड़ी चुनौतियों को जन्म देकर सुरक्षा तंत्र को अस्थिर कर रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा की इस नई चुनौती के लिए सोशल नेटवर्किंग साइटस, ई–निगरानी परियोजनाओं के मौजूदा बुनियादी ढांचे को तकनीकी रूप से मजबूत करना होगा और इंटरनेट एवं सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के सम्बन्ध में लोगों को जागरूक करना होगा। इससे सोशल मीडिया का रचनात्मक एवं उत्पादक उपयोग हो सकेगा और यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए वरदान साबित हो सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती अवधारणा, राष्ट्रीय सुरक्षा पर सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव, सोशल मीडिया मंचों का सकारात्मक प्रयोग जैसे विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए इस राष्ट्रीय-संगोष्ठी का आयोजन होना है।

शोध-पत्र :

शोध-पत्र के लिए विषय से सम्बन्धित कतिपय विन्दुओं को रखा गया है लेकिन इनके अतिरिक्त आप विद्वतजन स्वतंत्र रूप से संगोष्ठी के विषयानुकुल अपनी विशेषज्ञता के क्षेत्र से कोई भी शीर्षक चुन सकते हैं।

1. भारत में सोशल मीडिया : उद्भव, प्रसार एवं प्रभाव।
   Social Media Emergence Expansion and Impact in India.
2. सोशल मीडिया प्रादुर्भाव, प्रसार एवं सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य पर इसका प्रभाव।
   Social Media Proliferation and its Impact on Social, Cultural Landscape
3. सोशल मीडिया प्रसार एवं आन्तरिक सुरक्षा चुनौतियां।
   Social Media Proliferation and Internal security challengs.
4. राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा प्रबन्धन एवं सुशासन में सोशल मीडिया की भूमिका।
   Role of Social Media in National Security, Disaster Management and Good Governance.
5. साइबर सुरक्षा एवं सोशल मीडिया प्लेटफार्म।
   Cyber Security and Social Media Platform.
6. सोशल मीडिया : नियंत्रण एवं नियमन हेतु कानून एवं नीतियां।
   Laws and Policies for Social Media Control and Regulation.
7. राष्ट्रीय सुरक्षा की व्यापक अवधारणा के दृष्टिगत सोशल मीडिया की भूमिका।
   Role of Social Media in View of Broader Concept of National Security.

संगोष्ठी में प्रतिभाग करने वाले विद्वतजन, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों से अपेक्षित है कि उपर्युक्त विषय/उपविषय में से किसी शीर्षक पर अपना शोध-पत्र हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में अधिकतम 2500 से 3000 शब्दों में प्रेषित करें। इसे हिन्दी के kurtidev 10 Font Size-14 अथवा अंग्रेजी के Times New Roman Font Size-12 (M.S.Word) में भेजें। शोध-पत्र के आरंभ में अधिकतम 250 शब्दों का शोध-संक्षेप (Abstract) और अन्त में उपसंहार (Conclusion) अवश्य लिखें। चयनित शोध-पत्रों को ISBN युक्त पुस्तक में प्रकाशित किया जायेगा। इच्छुक प्रतिभागी निर्धारित धनराशि देकर पुस्तक प्राप्त कर सकते हैं।

शोध-पत्र प्रेषित करने की अन्तिम तिथि : 25 जुलाई, 2024।

शोध-पत्र प्रेषित करने हेतु ई-मेल :

Email-dnpgdefence1974@gmail.com.

महाविद्यालय-परिचय :

गोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और शिक्षा के प्रसार की एक अग्रणी संस्था है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गोरखपुर को केन्द्र बनाकर प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक लगभग चार दर्जन से अधिक शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों एवं सेवा केन्द्रों का संचालन करने वाली इस संस्था की स्थापना सन् 1932 ई0 में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। अपने गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर प्रयासरत गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने इसे पुष्पित-पल्लवित किया। वर्तमान में उनके योग्य उत्तराधिकारी गोरक्षपीठाधीश्वर जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं, परम पूज्य श्रद्धेय योगी आदित्यनाथ जी महाराज के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में यह संस्था अपनी अविस्मरणीय भूमिका निभा रही हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर द्वारा संचालित अनेक प्रकल्पों में उच्च शिक्षा की अग्रणी संस्था दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की स्थापना 25 अगस्त, 1969 ई0 को हुई। यह संस्था दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से संबद्ध है और NAAC 2.84 CGPA के साथ B^{++} ग्रेड प्राप्त है। महाविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर उत्कृष्ट शिक्षण के लिए 4 संकाय (कला, विज्ञान, वाणिज्य व शिक्षा) और 21 विभाग स्थापित हैं। यहाँ राजनीति विज्ञान, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति, भूगोल, हिंदी और आधुनिक भारतीय भाषा, शिक्षाशास्त्र, समाजशास्त्र, वाणिज्य, गणित और रसायन विज्ञान में स्नातकोत्तर शिक्षण के साथ–साथ शोधार्थियों का भी मार्गदर्शन किया जाता है। यह संस्थान उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केंद्र के रूप में भी कार्य करता है। शिक्षण के अतिरिक्त यह संस्था अपने स्थापना काल से ही राष्ट्रीय चेतना की संवाहक रही है और इसी प्रतिबद्धता के साथ प्रत्येक वर्ष 5000 से अधिक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का कार्य कर रही है ताकि वे स्वावलम्बी बन सके तथा देश की समृद्धि एवं उन्नति में अपना अमूल्य योगदान दे सकें।

महाविद्यालय में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की स्थापना सन् 1974 ई0 में हुई। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कुल 431 विद्यार्थी पंजीकृत हैं जिन्हें रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन मुख्य विषय के रूप में तथा विदेश नीति, कूटनीति, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों के अन्तर्गत एक वैकल्पिक विषय के रूप में पढाया जा रहा है। विभाग में एक सुव्यवस्थित पुस्तकालय, स्मार्ट क्लास एवं सैण्ड मॉडल युक्त प्रायोगिक कक्ष है।

महाविद्यालय महायोगी गुरु गोरखनाथ की तपोभूमि गोरखपुर नगर के ह्रदय स्थल सिविल लाइन्स में स्थित है। यह वायु, रेल एवं सड़क मार्ग से देश के प्रमुख शहरों से जुड़ा है। महायोगी गुरु गोरखनाथ हवाई अड्डे से लगभग 08 किमी., गोरखपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन से 1.5 किमी., गोरखपुर रेलवे बस स्टेशन से 1.5 किमी. तथा गोरखपुर कचहरी बस स्टेशन से मात्र 500 मी. की दूरी पर स्थित है।

आयोजन-समिति

प्रो. अरूण कुमार तिवारी, अध्यक्ष, बी.एड.विभाग

प्रो. नित्यानन्द श्रीवास्तव, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

प्रो. अर्चना सिंह, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग

डॉ. विवेक कुमार शाही, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग

डॉ. अनिल भास्कर, अध्यक्ष, भूगोल विभाग

श्री अवधेश कुमार शुक्ला, अध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग

श्री धर्मचन्द विश्वकर्मा, अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग

श्री सुरेन्द्र चौहान, अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास विभाग

श्रीमती निधि राय, अध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विभाग

डॉ. इन्द्रेश कुमार, अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग

डॉ. अनिता कुमारी, अध्यक्ष, प्राणि विज्ञान विभाग

श्री पीयूष कुमार सिंह, अध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग

डॉ. संजीव कुमार सिंह, अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग

डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग

डॉ. नितीश शुक्ल, अध्यक्ष, भौतिक विज्ञान विभाग

डॉ. सूरज कुमार शुक्ल, अध्यक्ष, गणित विभाग

डॉ. हरिशंकर गुप्त, अध्यक्ष, बी.सी.ए. विभाग

डॉ. दीपक सिंह, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग